लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद, हल्द्वानी, अयोध्या व कानपुर से प्रकाशित

सोमवार, 5 मई 2025
वर्ष 6, अंक 154, पृष्ठ 14
2 राज्य, 6 संस्करण
कुल 6 रुपये

अमृत विचार

बरेली महानगर

एक सम्पूर्ण अखबार

PAGE NO. 5: BOTTOM

स्वर और वाद्य यंत्रों की जुगलबंदी ने बटोरीं तालियां

बरेली, अमृत विचार : एसआरएमएस रिद्धिमा में रविवार शाम गायन और वाद्ययंत्रों की जुगलबंदी ने खूब तालियां बटोरीं। दरअसल, गायन और वाद्ययंत्रों के गुरुओं उमेश मिश्रा (सारंगी), सूर्यकांत चौधरी (वायलिन), सुमन विश्वास (मृदंगम), टुकमनी सेन (हारमोनियम), सूरज पांडेय (बांसुरी), अमर नाथ (तबला), अनुग्रह सिंह (कीबोर्ड-ड्रम), विशेष सिंह (गिटार), सुरेंद्र (कांगो), रोनी फिलिप्स (सेक्सोफोन) और वाद्ययंत्रों के विद्यार्थियों में डा .नम्रता सिंह, विवान अग्रवाल, अनुज सक्सेना, मंतिका अरोरा, गुरांश सिंह, नेहा पांडेय, आर्यांश अग्रवाल, देव अग्रवाल, रिदित अग्रवाल और सार्थक कठेरिया ने श्रोताओं को झूमने पर मजबूर कर दिया। गायन गुरु प्रियंका ग्वाल ने 'काहे बनाए बतीया' और शालिनी पांडेय ने 'सावरे' को अपनी आवाज में श्रोताओं के सामने प्रस्तुत किया। गुरु स्नेह आशीष दुबे, विद्यार्थियों में इंदू परडल, सोनम गुआल, अंशुमा अग्रवाल और स्वस्ति त्रिवारी ने भी प्रस्तुति दी। एसआरएमएस ट्रस्ट के चेयरमैन देव मूर्ति, आशा मूर्ति, डॉ .प्रभाकर गुप्ता, डॉ . शैलेश सक्सेना आदि मौजूद रहे।